



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 408

नई दिल्ली बुधवार, सितम्बर 15 1976/भाद्र 24 1898

No. 408] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 15, 1976/BHADRA 24, 1898

इस भाग में भिन्न 765 संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 15th September 1976

S.O. 613(E)/18FA/18AA/IDRA/76.—Whereas Messrs. Bengal Potteries Limited, Calcutta owning two industrial undertakings at 45, Tangra Road and at 3, Pagladanga Road, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertakings), is being wound up under the supervision of the Calcutta High Court and the business of the company is not being continued;

And whereas the Central Government, after obtaining permission from that High Court under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), (hereinafter in this Order referred to as the said Act), had caused an investigation to be made by a body of persons into the possibility of running or re-starting the said industrial undertakings;

And whereas the Central Government is of opinion that there are possibilities of running or re-starting the said industrial undertakings and that the industrial undertakings should be run or re-started, made an application under sub-section (1) of section 18FA of the said Act to the Calcutta High Court praying for permission to appoint the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, as body of persons to take over the management of the said industrial undertakings and that the said High Court has, by its order dated the 10th September, 1976, granted the said permission;

(I82I)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FA, read with section 18AA, of the said Act, the Central Government hereby authorises the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertakings, namely, the two industrial undertakings at 45, Tangra Road and at 3, Pagladanga Road, Calcutta, owned by Messrs. Bengal Potteries Limited, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) the authorised person shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the authorised person shall hold office for five years from the date of publication of this Order in the Official Gazette; and
- (iii) the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers it necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 2/19/75-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग - संश्लेष

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1976

का० आ० 613 (अ)/18चक/18कक/आई०डी० आर० ए०/76.—यतः मैसर्स बंगाल पोटर्रीज लिमिटेड, कलकत्ता जो 45, तंगरा रोड, और 3, पागला डांगा रोड, कलकत्ता स्थित दो औद्योगिक उपक्रमों (जिन्हें इसके उपरान्त उक्त औद्योगिक उपक्रमें कहा जायेगा) का स्वामी है का कलकत्ता उच्च न्यायालय के पर्यवेक्षण के अधीन समाप्त हो रहा है तथा कम्पनी का कारोबार नहीं चल रहा है।

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस आदेश में उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 15क के अधीन उस उच्च न्यायालय से अनुज्ञा अभिप्राप्त करने के पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम को चालू रखने या फिर से चलाने की सम्भावना का अन्वेषण व्यक्तियों के एक निकाय द्वारा कराया था,

और यतः केन्द्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि उक्त औद्योगिक उपक्रमों को चालू रखने या फिर से चलाने की सम्भावनाएं हैं तथा औद्योगिक उपक्रमों को चलाया जाना चाहिए या फिर से चालू किया जाना चाहिए। उक्त अधिनियम की धारा 18चक की उपधारा (1) के अधीन, उक्त औद्योगिक उपक्रमों का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए इण्डस्ट्रियल रिकन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इण्डिया लि०, कलकत्ता को व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में नियुक्त करने की अनुज्ञा के लिए प्रार्थना करते हुए उच्च न्यायालय को आवेदन किया था और उक्त उच्च न्यायालय ने, अपने आदेश, तारीख 10-9-1976 द्वारा उक्त अनुज्ञा दे दी है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 18क के साथ पठित धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इण्डस्ट्रियल रिकन्स्ट्रक्शन कारपीरेशन आफ इण्डिया लि०, कलकत्ता को—

(जिसे इसके उपरान्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा जायेगा) मै० बंगाल पोटर्रीज लि० के स्वामित्वाधीन 45, तंगरा रोड और 3, पागला डांगा रोड, कलकत्ता स्थित उक्त दोनों औद्योगिक उपक्रमों का समस्त प्रबन्ध, निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहने हुए, ग्रहण करने के लिए एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए सभी निदेशों का अनुपालन करेगा,
- (2) प्राधिकृत व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष के लिए पद धारण करेगा, और
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि ऐसा करना आवश्यक समझे तो, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति पहले भी समाप्त कर सकेगी।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा।

[सं० फा० 2/19/75-सी० यू० सी०]

ग्रहण कुमार घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976

